Deg I
History P-I

मुहम्मदगौरी का हिन्दुस्तान के साथ सम्पर्क —

पंजाब विजय के बाद मुहम्मद गोरी के राज्य की सीमा दिल्ली और अजमेर के राज्यों की सीमा को छूने लगी थी। दिल्ली और अजमेर का शासक पृथ्वीराज तृतीय था। वह तुर्क आक्रमणकारियों के प्रति अधिक सजग तथा सबल था। अतः राजपूत राज्यों के साथ संघर्ष करने के पहले मुईजुद्दीन मुहम्मद गोरी ने भटिण्डा पर आक्रमण करने का निश्चय किया। 1190 ई० में भटिण्डा पर मुहम्मद गोरी का अधिकार हो गया। इस विजय से उत्साहित होकर उसने राजपूत शासकों के साथ लड़ाई करने की योजना बनाई। महमूद गजनवी के समय राजपूत राजा सावधान नहीं थे। किन्तु तुर्कों की आक्रमक नीति के प्रति पृथ्वीराज तृतीय सावधान था। और अनेक राजपूत राजाओं ने तुर्कों के विरुद्ध पृथ्वीराज तृतीय को सहायता देने का वचन दिया था। भटिण्डा में मुहम्मद गोरी ने मलिक जियाउद्दीन तूलकी को अधिकारी नियुक्त कर दिया था। भटिण्डा की रक्षा के लिए 12000 चुने हुए अश्वारोहियों को रखकर मुहम्मद गोरी स्वदेश लौट जाना चाहता था। परन्तु पृथ्वीराज तृतीय की सैनिक तैयारी और भटिण्डा पर अधिकार प्राप्त करने की बात को ध्यान में रखते हुए उसने पृथ्वीराज तृतीय के साथ युद्ध करने का निर्णय लिया।